आपकी सफलता का प्रवेश द्वार .....

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE   प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

सामान्य अध्ययन / GENERAL STUDIES

खण्ड - अ

निर्धारित समय: ____
Time Allowed : ____

अधिकतम् अंक ____
Maximum Marks ____

नाम. Name : अनूप कुमार पटेल

मोबाईल नं. Mobile No : 7987050119

ई–मेल पता. E-mail Address : ____

रोल नं. Roll No : 231303   दिनांक (Date) 05/01/2021

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam) हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature) Anoop

प्रश्न – पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़े :

- इसमें 3 प्रश्न हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश–पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- प्रश्नों में शब्द सामा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रुप से काटा जाना चाहिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

- There are 3 question and all the questions are compulsory.
- The Number of marks carried by a question/part is indicated against it.
- Answer must be written in the medium authorized in the admission certificate which must be started clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) booklet in the space provide. No marks will be given for answer written in a medium other than the authorized one.
- Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained) ____   टिप्पणी (Remarks) ____

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 B

बाणभट्ट
- 7वीं सदी में हर्षवर्धन का दरबारी कवि
- संस्कृत भाषा का विद्वान
- रचना - हर्षचरित, कादम्बरी

1 C

जार्ज कैसल
- चैन्नई में स्थित ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा निर्मित
- फ्रांसिस डे द्वारा निर्माण
- महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र

1 D

क्रिप्स मिशन
- 1942 में भारत में संवैधानिक सुधार हेतु
- 3 सदस्यीय → सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
  पेथिक लोरेंस
  ऐलेक्जेंडर
- असफल, फलस्वरूप भारत छोड़ो आंदोलन (1942) की शुरुआत

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 E

सर आयरकूट

- ब्रिटिश ईस्ट इंडिया के अधिकारी
- वांडीवाश के युद्ध में निर्णायक सफलता दिलायी
- फ्रांसीसी सेना का भारत में अंत

1 F

मिन्हाज उस सिराज

(1) सल्तनत काल में दरबारी कवि
(2) रचना → तबकात-ए-नासिरी
(3) इल्तुतमिश के काल में प्रसिद्ध

1 G

वृहद स्नानागार

- मोहनजोदड़ो से प्राप्त महत्वपूर्ण स्थल
- पक्की ईंटों द्वारा नीचे जाने का मार्ग
- 11 मीटर लंबा, 7 मीटर चौड़ा
- पूजा के लिए सार्वजनिक स्नानागार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 I

महमूद गजनवी

(1) सुबुक्तगीन का पुत्र व तुर्की
(2) भारत पर 17 बार आक्रमण किया
(3) सोमनाथ को कई बार लूटा
(4) मूर्तिभंजक व इस्लाम का प्रचार प्रसार

1 J

माउण्टबैटन योजना
· 3 जून 1947 को योजना का निर्माण
· भारत व पाकिस्तान 2 स्वतंत्र डोमिनियन का निर्माण
· भारत की स्वतंत्रता जुड़ी हुई थी
· 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE

1 K

बालाजी बाजीराव

(1) बाजीराव बल्लाड़ का पुत्र
(2) 1740 में पेशवा का पद प्राप्त किया
(3) ब्रिटिश सरकार के साथ संधि की

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 L

तुलुगुमा पद्धति

(1) बाबर द्वारा प्रयुक्त पद्धति
(2) तोप व बारूद का प्रयोग प्रथम बार
(3) अपनी सेना को दायी व बायी तरफ रखकर पीछे से वार इसकी विशेषता।

1 m

हैदर अली

(1) मैसूर का शासक (डिंडिगुल)
(2) अपनी योग्यता के बल पर सिपाही से शासक बना
(3) प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध में अंग्रेजों को पराजित किया (1767 ई.)

1 O

दांडी मार्च
(1) 6 मार्च 1930 को दांडी पहुंचकर गांधी जी ने नमक कानून तोड़ा।
(2) इस यात्रा में 112 अनुयायी थे।
(3) नमक कानून को तोड़ते ही सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत हो गयी।

आपकी सफलता का प्रवेश द्वार.....
इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या: 3 2

गौरवशाली क्रांति से आशय 1688 ई. में हुई इंग्लैण्ड की क्रांति से है। इसे गौरवशाली क्रांति इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें किसी भी पक्ष की रक्त की एक बूंद भी नहीं बही यह केवल विरोध व वार्तालाप से ही सफल हो गयी

इंग्लैण्ड की क्रांति
↓ राजनीतिक कारण
↓ धार्मिक कारण

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

राजनीतिक कारण

(1) जेम्स द्वितीय की निरंकुशता - जेम्स द्वितीय एक निरंकुश शासक था। वह राजा के दैवीय सिद्धांत के अनुसार अपना शासन चलाता था। इंग्लैण्ड की जनता इससे त्रस्त थी।

(2) संसद द्वारा अधिकारों के लिए संघर्ष - संसद इंग्लैण्ड में संवैधानिक राजतंत्र चाहती थी जबकि

राजा संसद पर अपनी सर्वोच्चता रखना चाहता था।

खूनी न्यायालय – जेम्स द्वितीय के अवैध पुत्र मनमथ ने राजा के खिलाफ विद्रोह कर दिया जिसका राजा ने सफलतापूर्वक दमन कर दिया मनमथ को मृत्युदंड दिया गया। इससे जनता में असंतोष बढ़ गया।

(4) जेम्स द्वितीय की विफल विदेश नीति – लुई 14वाँ कैथोलिक था जबकि इंग्लैंड की अधिकतर जनता प्रोटेस्टेंट मतावलंबी थे। जेम्स द्वितीय भी कैथोलिक था। वह लुई 14वाँ से सैनिक सहायता प्राप्त करके निरकुंश शासन स्थापित करना चाहता था।

धार्मिक कारण

(1) टेस्ट अधिनियम को स्थगित करना – इस अधि के अंतर्गत केवल एंग्लिकन चर्च के अनुयायी ही सरकारी पद पर रह सकते थे। जेम्स द्वितीय ने यह अधिनियम न्यायधीशों से रद्द करवा दिया

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

(2) कैथोलिक धर्म के लिए प्रसार - जेम्स द्वितीय कैथोलिक धर्म के अनुयायियों को अधिक सुविधाएं प्रदान की। पोप का इंग्लैण्ड भी आमंत्रित किया।

(3) कोर्ट ऑफ हाई कमीशन की स्थापना - 1688 में जेम्स द्वितीय ने इसकी स्थापना की कैथोलिक धर्म की अवहेलना करने पर मुकदमा चलाकर उन्हें दंडित किया जाता था।

(4) सात पादरियों पर अभियोग - जेम्स द्वितीय ने 7 पादरियों पर क्रोधित होकर मुकदमा दर्ज किया था।

(5) धार्मिक अनुग्रहों की घोषणा - जेम्स द्वितीय ने इंग्लैण्ड को कैथोलिक देश बनाने के लिए 2 बार धार्मिक घोषणाएं की।

उपरोक्त कारणों से इंग्लैण्ड की जनता ने इस क्रांति की शुरुआत की जो सफल हुई जिससे उन्हें निरंकुश राजतंत्र के स्थान पर संवैधानिक राजतंत्र की प्राप्ति हुई

प्रश्न संख्या: 3 B

1917 की बोल्शेविक क्रांति (रूसी क्रांति) विश्व इतिहास की महत्वपूर्ण घटना थी। इसमें निरंकुश जारशाही का अंत करके विश्व को समाजवाद व मजदूरों व कृषकों की सरकार स्थापित हुई

रूसी क्रांति के कारण

→ दीर्घकालिक कारण

→ तत्कालिक कारण

दीर्घकालिक कारण

(1) निरंकुश एवं स्वेच्छाचारी शासन

- निरंकुश जारशाही शासन
- जार का खुद को रूस का अधिपति मानना
- सुधार व स्वतंत्रता का पक्षधर नहीं
- जार की पत्नि जरीना व गुरु रासपुतिन भी निरंकुश शासन के पक्ष में

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

(2) रूस जापान युद्ध में रूस की हार

- 1905 में जापान के साथ युद्ध में हार।
- रूस की अपराजेयता की मिथ्या टूटी।
- खूनी रविवार की घटना ने जारशाही के विरुद्ध जनअसंतोष की भावना को प्रबल कर दिया।

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE

(3) अयोग्य व भ्रष्ट नौकरशाही

- नौकरशाही पूर्णतः से भ्रष्ट थी
- उच्च पद पर केवल सामंत व जमींदार
- वंशानुगत नौकरशाही भी स्वेच्छाचारी व निरंकुश थी।

(4) सामाजिक व आर्थिक असमानता

- समाज में दो वर्ग
  - → विशेषाधिकार प्राप्त → सामंत
  - → अधिकारविहीन वर्ग → किसान, श्रमिक, शिल्पक

- उत्पादन के साधनों पर पूंजीपतियों का अधिकार
- दोनों वर्गों के मध्यम संघर्ष था जिसने क्रांति को जन्म दिया।

(5) बौद्धिक कारण :

- रूस में उपस्थित बौद्धिक वर्ग ने बौद्धिक चेतना को बढ़ाने में मदद की
- टाल्सटाय की वार एंड पीस ने लोगों को क्रांति के लिए प्रेरित किया।

(6) समाजवादी विचारधारा का विकास

- समाजवादी विचारधारा का प्रसार हुआ
- 1898 में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना
- बोल्शेविक दल का नेता लेनिन मजदूरों का शासन स्थापित करना चाहता था।

(7) कृषकों की निम्नतर दशा

- रूस एक कृषि प्रधान देश था

प्रश्न संख्या 3 E

- जिसमें 80% हिस्सा किसानों का था
- 67% भूमि जमींदार व सामंतों की थी
- किसान भूमिहीन व केवल श्रमिक थे।

तात्कालिक कारण

रूस का जार भी अपनी साम्राज्यवादी महत्वकांक्षा के कारण प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल हो गया युद्ध के कारण धन का अपव्यय, भोजन की कमी, कपड़े नहीं मिल पा रहे थे। इस प्रकार की परिस्थितियों ने लोगों को क्रांति हेतु मजबूर कर दिया।

1917 की क्रांति ने विश्व को समाजवाद का पाठ पढ़ाया व नई आर्थिक नीति से आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित की।

प्रश्न संख्या 3 C

समुद्रगुप्त की उपलब्धियों की जानकारी हरिषेण की प्रयाग प्रशस्ति से प्राप्त होती है।

समुद्रगुप्त की उपलब्धि
- सैन्य उपलब्धि
- सांस्कृतिक उपलब्धि
- धार्मिक उपलब्धि

सैन्य उपलब्धि

(1) आर्यावर्त की विजय - समुद्रगुप्त ने आर्यावर्त के 12 राज्यों को विजित किया। इसमें इन 12 राज्यो को बलपूर्वक अपने राज्य में मिला लिया

प्रसभोद्धरण

(2) दक्षिणापथ की विजय - समुद्रगुप्त ने दक्षिणापथ के 12 राज्य को जीता किंतु उन्हें वापस कर दिया। दक्षिण के राज्यों पर नियन्त्रण रखना कठिनकार्य था इस कारण इसने यह नीति अपनायी

ग्रहणमोक्षानुग्रह

(3) आटविक राज्यों की विजय :- मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश में स्थित आटविक राज्यो को विजित किया

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE

इन राज्यों को अपना सेवक बना लिया

परिचारिकीकृत

(4) सीमावर्ती राज्यों की विजय – समुद्रगुप्त ने उत्तर पूर्वी सीमा पर स्थित राज्यों को जीता जिसमें असम, नेपाल, बांग्लादेश का क्षेत्र था

सर्वकरदानाज्ञाकरण

(5) विदेशी राज्यों की विजय – इस चरण में समुद्रगुप्त ने सिंहलद्वीप, शक, देवपुत्र को विजित करके जीत प्राप्त की। ये हारे हुए राजा सम्राट की सेवा में उपस्थित रहते थे

आत्मनिवेदनकन्योपायनयाचन

इस प्रकार समुद्रगुप्त ने विशाल साम्राज्य की स्थापना की। विंसेंट स्मिथ ने समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा है।

धार्मिक उपलब्धियाँ

समुद्रगुप्त ब्राह्मण धर्म का अनुयायी था

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

लेकिन वह अन्य धर्मों को भी प्रोत्साहित करता था।
उदा० समुद्रगुप्त ने बौद्ध विहार बनाने की अनुमति प्रदान की।

सांस्कृतिक उपलब्धि

(1) समुद्रगुप्त ने अपने दरबार में विभिन्न विद्वानों को संरक्षण प्रदान किया था।

(2) समुद्रगुप्त के काल के सिक्कों पर उसे वीणा बजाते हुए दिखाया गया है जो उसके संगीतप्रेमी के रूप में दर्शाता है।

(3) समुद्रगुप्त को "कविराज" की उपाधि दी गयी है।

उपरोक्त उपलब्धियों से यह सिद्ध होता है की समुद्रगुप्त गुप्तकाल का एक महान शासक था। इसका समस्त क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान था।

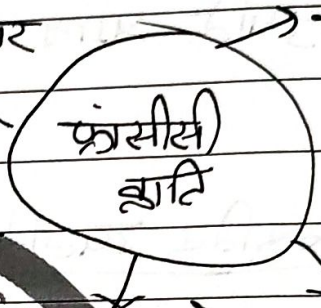

आपकी सफलता का प्रवेश द्वार.....
इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

फ्रांसीसी क्रांति (1789) में बौद्धिक दार्शनिकों की भूमिका महत्वपूर्ण थी जिससे यह क्रांति सफल हो सकी

मांटेस्क्यू
↳ शक्ति के पृथक्करण का सिद्धांत
↳ स्वतंत्र न्यायपालिका, कार्यपालिका विधायिका का पक्षधर
↳ पुस्तक → स्पिरिट ऑफ लॉज

रूसो
↳ सोशल कान्ट्रैक्ट में मनुष्य की स्वतंत्रता पर बात
↳ सामान्य इच्छा का सिद्धांत
↳ आदिम व्यवस्था की ओर लौटने को कहा

वाल्टेयर → फिलोसोफिकल लेटर्स में ब्रिटेन तथा फ्रांस की तुलना की
→ कमी व भ्रष्टाचार को उजागर किया

डिदरो विश्वकोष की रचना
शासन की बुराईयों व भ्रष्टाचार को उजागर

बौद्धिक दार्शनिकों ने क्रांति को उद्वेलित कर दिया

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

2 (c)

सल्तनतकाल में प्रांतों को इक्ता कहा जाता था इक्ता का अर्थ हस्तांतरणीय लगान अधिन्यास से है। इल्तुतमिश ने इक्ता प्रणाली की शुरुआत की

उद्देश्य

(1) दूरस्थ क्षेत्रों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना
(2) भू-राजस्व की प्राप्ति
(3) इक्तादारों के सहारे एक बड़ी सेना का प्राप्त होना।
(4) स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं का निराकरण

प्रकार

प्रांतीय स्तर की - बड़ी इक्ता
ग्रामीण स्तर की - छोटी इक्ता

कार्य

(1) भू-राजस्व का संग्रह
(2) अपना नियंत्रण स्थापित करना
(3) पद वंशानुगत

परिणाम

(1) प्रभावी नियंत्रण स्थापित
(2) भू-राजस्व की प्राप्ति
(3) एक बड़ी सेना की प्राप्ति

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

2 6

औद्योगिक क्रांति 1750 ई से 1850 ई तक इंग्लैण्ड में घटित हुई

आर्थिक परिणाम

(1) उत्पादन व व्यापार में चमत्कपूर्ण वृद्धि
(2) रोजगार में वृद्धि।
(3) शहरीकरण बढ़ा।
(4) बैंकिंग का विकास
(5) महिलाओं को रोजगार

राजनीतिक परिणाम

(1) लोकतंत्र की मांग हुई
(2) अंतर्राष्ट्रीय मंचों की आवश्यकता
(3) श्रमिक आंदोलन

वैचारिक परिणाम

(1) मुक्त व्यापार की विचारधारा को बल
(2) समाजवादी विचारधारा को बल

सामाजिक कारण → कुरीतियों में कमी, शिक्षा को बल
महिला सशक्तिकरण
जनसंख्या में वृद्धि

औद्योगिक क्रांति ने प्रत्येक स्तर को प्रभावित किया

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

2 F

1857 की क्रांति भारत का प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन था। यह भारतीय इतिहास की युगांतरकारी घटना थी।

विद्रोह की असफलता के निम्न कारण थे

(1) निश्चित उद्देश्य का अभाव
(2) संगठन क्षमता का अभाव
(3) अंग्रेजो के तुलना में संसाधनों की कमी
(4) आंदोलन का स्वरूप अखिल भारतीय नहीं
(5) जनसमर्थन का अभाव था।
(6) योग्य नेतृत्वकर्ता नहीं थे जबकि अंग्रेजों को इसका पूर्ण अनुभव था।
(7) दिल्ली के महत्व को न समझते हुए क्रांतिकारी अपने क्षेत्रीय स्थलों पर ही रहे।
(8) सैन्य दृष्टिकोण की दृष्टि से अंग्रेजों के पास सुरक्षित सेना की जबकि भारतीय क्रांतिकारियों के पास हथियारों की भारी कमी थी।
(9) देशी राजाओं ने अंग्रेजों का साथ दिया (ग्वालियर के सिंधिया)

निष्कर्षतः भारतीयों के पास नेतृत्व, अनुभव, उद्देश्य व संगठन की कमी के कारण ये क्रांति सफल न हो सकी

2 5

मोहम्मद बिन तुगलक सबसे विद्वान व शिक्षित शासक था लेकिन अनुभवहीनता के कारण उसकी सभी योजनाएं असफल हो गयी

मोहम्मद बिन तुगलक के कार्य

(1) राजधानी परिवर्तन - दिल्ली से हटाकर दौलताबाद कर दी जिससे प्रजा असंतोष उपजा।

(2) सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन - चांदी के सिक्के की जगह तांबे व कांसे के सिक्के जारी किए जिससे जाली मुद्रा का प्रसार बढ़ गया।

(3) दोआब में कर वृद्धि - दोआब के क्षेत्र में राजस्व की उपज को 50% कर दिया।

(4) कृषि की उन्नति के लिए - एक नया विभाग दीवान-ए कोही की स्थापना की जिसमे किसानों को कृषि ऋण देना था।

इस प्रकार बिन तुगलक की योजनाएं अच्छी थी किंतु क्रियान्वन सही न होने के कारण वे असफल हो गयी।

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE

प्रश्न संख्या 2 4

राजा राममोहन राय ने 1828 में कलकत्ता में ब्रह्म समाज की स्थापना की थी।

ब्रह्म समाज के उद्देश्य व दर्शन

(1) हिंदु धर्म की कुरीतियों को दूर करना था।
(2) मूर्ति पूजा का विरोध व एकेश्वरवाद पर बल।
(3) वेद व उपनिषद की शिक्षाओं को ग्रहण करना।
(4) मानवीय प्रतिष्ठा पर बल दिया गया
(5) सती प्रथा, बाल विवाह पर रोक के लिए कार्य किया।

ब्रह्म समाज का प्रभाव

(1) लार्ड विलियम बैंटिक द्वारा 1829 में सतीप्रथा का अंत किया।
(2) समाचारपत्रों से लोगो में राजनैतिक चेतना का विकास किया।
(3) हिंदु धर्म की कुरीतियों को सामने रखा।
(4) विधवा पुनर्विवाह व विवाह की आयु को बढ़ाया।

इस प्रकार ब्रह्म समाज ने भारतीय पुनर्जागरण में महती भूमिका निभाई। राजा राममोहनराय को भारतीय पुनर्जागरण का पिता कहा जाता है।

28 जून 1919 को वर्साय की संधि जर्मनी व अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस के बीच हुई

प्रावधान

(1) प्रादेशिक व्यवस्थाएं-
(1) एल्सेस लारेन प्रदेश को जर्मनी से लेकर फ्रांस को दे दिया
(2) कोयला क्षेत्र सार को फ्रांस
(3) जर्मनी की पूर्वी सीमा के क्षेत्र भी संयुक्त राष्ट्रसंघ को सौंप दिए

(2) सैनिक व्यवस्था → सैनिकों की संख्या 1 लाख कर दी गयी हवाई जहाज व पनडुब्बी का अधिकार छीन लिया

(3) आर्थिक व्यवस्था → जर्मनी को मित्रराष्ट्रों को 5 अरब डालर युद्ध क्षतिपूर्ति के लिए

(4) राजनीतिक व्यवस्था → राष्ट्र संघ की स्थापना

इस प्रकार वर्साय की आरोपित संधि से जर्मनी के राष्ट्रवाद को चोट पहुंची जिसकी परिणति द्वितीय विश्वयुद्ध के रूप में देखी जा सकती है।

प्रश्न संख्या 2 J

हुमायुं मुगलकालीन शासक था जिसने (1530 से 1556 ई.) तक शासन किया

हुमायूँ की असफलता का कारण

(1) साम्राज्य का बटवारा समान अनुपात में अपने भाईयों को कर दिया जिससे उसका साम्राज्य छोटे विभाजित हो गया।

(2) हुमायु का निष्कासित जीवन शेरशाह सूरी द्वारा 2 बार पराजित हुया

(3) कम समय के लिए सत्तारूढ होना जिससे प्रशासनिक व राजनीतिक अनुभव में कमी

(4) हुमायूँ के पास विवेकरहित दयालुता थी जिसके कारण उसे निर्णय में भूल की।

(5) युद्धनीति के प्रति सजग न होना व युद्ध की तैयारी न करना।

इस प्रकार हम हुमायू के बारे में लेनपूल ने लिखा "हुमायू जीवन भर लड़खड़ाता रहा व लड़खड़ाते हुए मर गया"

2 K

कर्नाटक युद्ध अंग्रेजों व फ्रांसीसियों के मध्य व्यापारिक व राजनैतिक सत्ता प्राप्त करने हेतु लड़ा गया।

प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-48)

↳ सेंट थोमे युद्ध लड़ा गया है।
↳ यह आस्ट्रिया में उत्तराधिकार प्राप्ति हेतु लड़ा गया
↳ एक्स ला शैपेल की संधि द्वारा समाप्त

द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749-1754)
↳ इसमें अंग्रेजों ने अनवरुद्दीन का समर्थन किया जबकि फ्रांसीसियों ने चंदा साहब का
↳ डूप्ले की कूटनीति से फ्रांसीसी जीत गए
↳ किंतु आपसी संधि से दोनों को अपने क्षेत्र मिल गए

तृतीय कर्नाटक युद्ध (1758)
↳ सर आयरकूट के नेतृत्व में अंग्रेजों की विजय हुई
↳ अंग्रेजों को भारत में पूर्ण शक्ति के रूप में उभरे।

कर्नाटक युद्ध से स्पष्ट हो गया की अंग्रेज ही भारत के सर्वेसर्वा हैं।

प्रश्न संख्या 2 L

तुष्टीकरण की नीति से अभिप्राय है की अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए या उद्देश्य के लिए सही व गलत को न देखते हुए फैसले लेना।

ब्रिटिश अधिकारियों ने निम्न तरीकों से नीति का पालन

(1) हिंदू धर्म की आलोचना करना
(2) भारतीय प्राचीन शिक्षा पद्धति को नकारना
(3) मुस्लिमों को बढ़ावा जिससे सांप्रदायिक महौल खराब हो सके।
(4) 1909 में सांप्रदायिक निर्वाचन प्रणाली की शुरुआत करना।

(5) फूट डालो और शासन की नीति अपनाना
(6) पाकिस्तान के निर्माण में सहयोग।
(6) मुस्लिम लीग के गठन में सहायता करना।

इस प्रकार अंग्रेज सांप्रदायिक महौल को बिगाड़ के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को कमजोर करना चाहते थे।

आपकी सफलता का प्रवेश द्वार .....

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

सामान्य अध्ययन / GENERAL STUDIES

खण्ड - B

Paper - 2

निर्धारित समय: Time Allowed :

अधिकतम अंक Maximum Marks

नाम. Name : Anoop Patel

मोबाईल नं. Mobile No : 7987050119

ई–मेल पता. E-mail Address :

रोल नं. Roll No : 231303 दिनांक (Date) 05/01/2021

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam) Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature) Anoop

प्रश्न – पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़े :

- इसमें 3 प्रश्न हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश–पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- प्रश्नों में शब्द सामा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रुप से काटा जाना चाहिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

- There are 3 question and all the questions are compulsory.
- The Number of marks carried by a question/part is indicated against it.
- Answer must be written in the medium authorized in the admission certificate which must be started clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) booklet in the space provide. No marks will be given for answer written in a medium other than the authorized one.
- Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained)________ टिप्पणी (Remarks)________

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1 A

केप्लर एक प्रसिद्ध खगोलविद

↳ ग्रहों की गति से संबंधित 3 नियम दिये

↳ सौर मंडल में ग्रहों की गति समझाई

1 B

मानववाद के जनक प्रेट्रार्क (इटली)

पुनर्जागरण के महत्वपूर्ण दार्शनिक

मानववाद को प्रसिद्ध किया

व्यक्ति की गुण, विशेषता पर बल दिया

1 C

बास्तील फ्रांस में स्थित किला

14 जुलाई 1789 में आम जनता ने हमला किया

क्रांति का प्रतीक

1 D

22 जनवरी 1905 को रूस में घटित

शांतिपूर्ण जुलूस पर जार ने हमला किया

130 लोगों की मृत्यु

खूनी रविवार नाम की घटना से प्रसिद्ध

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1 E

↳ अरण्यक का अर्थ वन में पढ़ा हुआ

↳ यह वेदों का गद्य वाला भाग है

↳ यह संस्कृत भाषा में है।

↳ प्रकार - एतरेय, तैत्तिरीय अरण्यक

1 F

↳ उपवास के द्वारा शरीर का त्याग करना

↳ जैन धर्म की विशिष्ट क्रिया

↳ चंद्रगुप्त मौर्य ने गोमतेश्वर में सल्लेखना अथवा संथारा द्वारा अपने प्राण त्याग किया था

1 G

प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 में आत्माराम पांडुरंग ने महाराष्ट्र में की

कार्य → छुआछूत, जातिगत भेदभाव को दूर करना
महिला शिक्षा के लिए कार्य करना

1 H

भारत में शिक्षा संबंधी आयोग

1917 में गठित - सैडलर की अध्यक्षता में

महिला शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, भाषा के लिए सुझाव

1 I

इटली के पुनर्जागरण काल का मूर्तिकार, चित्रकार
सर्वश्रेष्ठ कृति - माता मैडोना का चित्र
अद्भुत चित्रकारी सजीवता का प्रमुख योगदान

1 J

भू-दान आंदोलन विनोबा भावे ने प्रारंभ

↳ आंध्रप्रदेश पोचमपल्ली से
↳ बड़े किसानों से भूमि को दान करने की अपील की
↳ किसानों को भूमि भू-खंड उपलब्ध कराए

1 K

रैय्यतवाड़ी व्यवस्था
कैप्टन रीड व मुनरो द्वारा प्रतिपादित
सीधे किसानों से अनुबंध (भूमि राजस्व संबंधी)
मद्रास व बंबई प्रेसीडेंसी में लागू
द.भा. भू-भाग पर लागू

1 L

बटलर समिति

(1) देसी रियासतों के मध्य विवाद को सुलझाने हेतु

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

(2) 1927 में गठित
(3) हार्टोग बटलर की अध्यक्षता में

1 N

अकबरकाल की भू-राजस्व पद्धति

↳ दस वर्ष की राजस्व वसूली

↳ अकबर के वित्त मंत्री टोडरमल द्वारा सृजित
↳ 1580 ई० से 1590 ई० तक का 10 साल के औसत का 1/3 कर
↳ 4 भागों में भूमि का प्रकार - पोलज, परती, चाचर व बंजर भूमि

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

1 0

हण्टर शिक्षा आयोग

↳ 1882 में डब्लू हंटर की अध्यक्षता में गठित
↳ कार्य
(1) प्राथमिक शिक्षा पर जोर
(2) महिलाओं की स्थिति में सुधार
(3) निजी शिक्षा संस्थानों में वृद्धि

2 1

राष्ट्रसंघ की स्थापना 10 जनवरी 1920 को की गयी। इसका प्रमुख कार्य अंतर्राष्ट्रीय शांति को बनाए रखना था।

असफलता के कारण

- वर्साय की संधि से जुड़ा होना
- संगठन की शक्तिहीनता
- संघ के सिद्धांतों में विश्वास की कमी
- अमेरिका का असहयोग की नीति
- स्थायी सेना का अभाव
- आर्थिक मंदी (1929)
- फांसीवादियों का उदय (हिटलर व मुसोलिनी)

उपरोक्त कारणों से राष्ट्रसंघ के उपस्थित होते हुए भी द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारम्भ हुआ।

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

2 B

इंग्लैण्ड में 1688 में गौरवपूर्ण क्रांति हुई जिससे वहाँ निरंकुश राजतंत्र के स्थान पर संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना हुई

महत्व

→ संसद की सर्वोच्चता स्थापित

→ राजा के अधिकार की समाप्ति

→ कैथोलिक खतरे का अंत

→ सेना पर संसद की सर्वोच्चता स्थापित

→ विदेश नीति पर भी संसद की सर्वोच्चता

→ यूरोप की राजनीति पर प्रभाव

→ इस क्रांति से अमेरिकी क्रांति की पृष्ठभूमि तैयार हुई

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या: 2 1

यूरोप के ~~इटली~~ में 14 सदी से 16 सदी तक जो बौद्धिक परिवर्तन आया उसे पुनर्जागरण कहते हैं।

पुनर्जागरण की विशेषताएं

- → व्यक्तिवाद व मानववाद पर बल
- → सहज सौंदर्य की उपासना
- → तर्कशीलता, विचार व बुद्धि पर बल
- → नवीन अन्वेषण व भौगोलिक खोजें
- → बहुमुखी प्रतिभा का विकास
- → मध्यवर्गीय चेतना जागृति का होना
- → धर्मनिरपेक्षता पर बल
- → उदारवादी समाज का निर्माण

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

2 D

जैन धर्म के प्रमुख 24वें तीर्थंकर महावीर माने जाते हैं

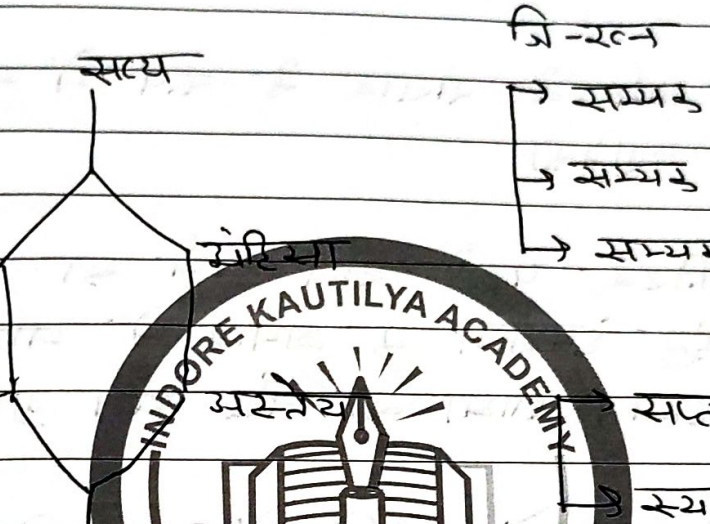

त्रि-रत्न
→ सम्यक ज्ञान
→ सम्यक आचरण
→ सम्यक दर्शन

अस्तेय
→ सप्तभंगी नय
→ स्यादवाद

(1) सत्य → मन, वचन, कर्म से सत्य का पालन

(2) अहिंसा → किसी भी प्रकार की हिंसा का त्याग करना

(3) अस्तेय – चोरी न करना

(4) अपरिग्रह – अतिरिक्त धन का संग्रह न करना

(5) ब्रह्मचर्य → वासना से दूर रहना।

जैन धर्म अत्याधिक अहिंसावादी धर्म है।

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

प्रश्न संख्या: 2 F

कनिष्क का शासनकाल ६०६ ई. से ६४८ तक था। कनिष्क एक प्रतापी शासक था

बौद्ध धर्म के संरक्षक के रूप में कनिष्क की भूमिका

(1) कनिष्क पहले शैव धर्म का अनुयायी था किंतु ह्वेनसांग के प्रभाव में आकर उसने महायान शाखा का बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया।

(2) अनेक स्तूपों व विहारों का निर्माण करवाया।

(3) हर्ष प्रत्येक 5 वें वर्ष प्रयाग में महामोक्षपरिषद का आयोजन करवाता था

(4) कन्नौज में धर्मपरिषद का आयोजन

(5) हर्ष बौद्ध भिक्षुओं को दान करता था।

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE

2 H

सूरत में 1907 में कांग्रेस दो दलों में विभाजित हो गयी थी। गरम दल, नरम दल

कारण।

(1) गरम दल के नेता यथा लाल, बाल व पाल कांग्रेस की अनुनय विनय की नीति से मोह भंग हो चुका था।

(2) जबकि नरम दल अभी भी संवैधानिक तरीके से अंग्रेजों की सहायता से सुधार का पक्षधर था।

(3) 1907 में यह सम्मेलन का अध्यक्ष के रूप में बाल गंगाधर तिलक को बनाए जाने के पक्ष में थे जबकि उदारवादी गुट दादाभाई नैरोजी गोपाल कृष्ण गोखले इसके खिलाफ थे।

अतः 1907 में सूरत में कांग्रेस दो भागों में बंट गयी
गरम दल → लाला लाजपत राय, विपिनचंद्र पाल
नरम दल → दादा भाई नैरोजी, गोपाल कृष्ण आदि

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 I

लार्ड वेलजली ने 1798 में सहायक संधि की थी। यह राजाओं को युद्ध व आक्रमण से रक्षा करने हेतु थी

सहायक संधि की शर्तें

(1) संधि स्वीकार करने पर राजा को अपने राज्य में अपने खर्च में ब्रिटिश सेना रखनी होगी।

(2) राज्य को एक ब्रिटिश रेजीडेंट रखना होगा

(3) रेजीडेंट की अनुमति के बिना वह किसी भी राजा से युद्ध, नियुक्ति या भर्ती नहीं कर सकता था।

(4) कंपनी उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी

(5) युद्ध व आक्रमण की स्थिति में रक्षा करेगी।

वास्तविकता में यह संधि अंग्रेजो की साम्राज्य को बढ़ाने के लिए लाई गयी थी।

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2 J तुर्की आक्रमण से लेकर मुगलों तक विशिष्ट संस्कृति का प्रभाव रहा भारतीय संस्कृति में जो इसकी विशेषता बन गया

(1) साहित्य के क्षेत्र में – अरबी भाषा के प्रयोग से महाभारत का अनुवाद किया गया "रज्मनामा" के नाम से।

(2) द्वारा [illegible] में मज्म [illegible] बरीन" हिंदी व फारसी में लिखी

(2) संगीत के क्षेत्र – तानसेन ने विभिन्न रागों की रचना ध्रुपद, राग भैरवी, मियां की मल्हार

(3) स्थापत्य कला में → गुम्बद व मेहराबों का प्रयोग
पैत्रा-डियुरा तकनीक
संगमरमर का प्रयोग
ताजमहल, लाल किला

(4) चित्रकला में
(5) धर्म में प्रभाव → सूफीवाद

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2 K

सिंधु सभ्यता (2350 से 1750 ई.पू.) तक चलती रही पर यतत: इसका पतन हो गया है।

हड़प्पा सभ्यता के पतन के 2 वर्गों में बांटा जाता है।

(1) आकस्मिक पतन का सिद्धांत
(2) क्रमिक पतन का सिद्धांत

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

आकस्मिक पतन

(1) गार्डन चाइल्ड के अनुसार आर्य आक्रमण को पतन के लिए जिम्मेदार माना है। आर्यों की सेना ने युद्ध करके सभ्यता का अंत किया

(2) सूखा, बाढ़, भूकंप को भी जिम्मेदार माना है

क्रमिक पतन का सिद्धांत

इतिहासकारों का मानना है की पर्यावरण के असंतुलन जल, तापमान, जनसंख्या के कारण इसका पतन हुआ।

प्रश्न संख्या 2 ८

15 अगस्त 1947 को भारत की स्वतंत्रता प्राप्त हुई लेकिन इसके साथ भारत का बटवारा भी पाकिस्तान के रूप में कर दिया गया

गांधी जी देश के विभाजन को स्वीकार करने के कारण निम्न हैं।

(1) साम्प्रदायिक दंगों का पूरे भारत में फैलना।

(2) 1940 के लाहौर अधिवेशन में पाकिस्तान की इच्छाशक्ति

(3) मुस्लिम लीग की साम्प्रदायिक राजनीति

(4) राजगोपालाचारी व गांधी - जिन्ना वार्ता का विफल हो जाना।

(5) व्यापक रक्तपात व हिंसा का होना।

(6) आजादी के लिए लंबा संघर्ष

उपरोक्त कारणों के दृष्टिगत गांधी जी ने दुखी: मन से विभाजन को स्वीकार कर लिया।

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 3 B

द्वितीय विश्व 1939 ई. से 1945 तक चला इसमें यह बहुत विध्वंसक व विनाशकारी था जिसने संपूर्ण विश्व पर गंभीर प्रभाव डाला

द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण

वर्साय की संधि की कठोर शर्तें

↳ जर्मनी पर आरोपित संधि

↳ अपमानजनक होने के कारण युद्ध होना निश्चित

↳ संधि से जनता में भारी असंतोष उत्पन्न हो गया

↳ जर्मनी में हिटलर के उदय बिस्मार्क राष्ट्रवाद की भूमिका निभाई

↳ प्रथम विश्वयुद्ध के बाद आर्थिक दुर्दशा

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

तुष्टीकरण की नीति

↳ ब्रिटेन की तुष्टीकरण की नीति

↳ ब्रिटेन पूंजीवादी जबकि रूस समाजवादी व्यवस्था का पक्षधर

↳ ब्रिटेन द्वारा जापान की चीन के क्षेत्र पर कब्जा करने पर भी कोई प्रतिक्रिया न देना

राष्ट्रसंघ की असफलता

↳ बड़े राष्ट्रों के प्रति कोई कार्यवाही न करना

↳ जर्मनी द्वारा पोलैण्ड पर हमला करने पर भी युद्ध नहीं करना

↳ अपने उद्देश्य को पूरा न कर पाना द्वितीय विश्वयुद्ध का कारण

प्रश्न संख्या

नि:शस्त्रीकरण की असफलता

↳ समस्त प्रयास असफल

↳ वाशिंगटन सम्मेलन में कोई प्रतिक्रिया नहीं

↳ विभिन्न राष्ट्रों के बीच शस्त्रीकरण की होड़ शुरू हुई

↳ यूरोप का माहौल युद्धजनित हो गया

सैनिक गुटों का उदय

↳ यूरोप 2 भागों में विभाजित

↳ फ्रांस → पोलैण्ड व बुल्गारिया से संधि

उग्र राष्ट्रवाद की भावना

→ उग्र राष्ट्रवाद के कारण युद्ध का समर्थन

→ पेरिस शांति सम्मेलन से असंतोष

अल्पसंख्यकों का असंतोष

→ जर्मनी में यहूदी विरोधी भावना को बढ़ाकर युद्ध को बढ़ावा दिया

→ यहूदि ~~विरोधी~~ व स्वयं को सर्वोत्कृष्ट नस्ल का बताया

द्वितीय विश्वयुद्ध जर्मनी द्वारा पोलैंड पर हमला किया जिससे यह प्रारंभ हो गया जो 1945 में जापान के ऊपर परमाणु हमले तक चलता रहा।

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न संख्या: 3 A

रूसी क्रांति 1917 में घटित हुई जिसने विश्व को समाजवाद का पाठ पढ़ाया

रूसी क्रांति के कारण।

1. निरंकुश व स्वेच्छाचारी शासन

- → जार का निरंकुश शासन
- → किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं
- → वाक व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं
- → नागरिकों को कोई अधिकार प्राप्त नहीं

कृषक वर्ग का असंतोष

- कृषि प्रधान देश होने के बावजूद कृषकों की दयनीय दशा।

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

- कृषकों की वित्तीय स्थिति खराब
- कृषि पर गंभीर संकट

औद्योगिक एवं श्रमिकों का असंतोष

→ आर्थिक सम्पन्नता के स्थान आर्थिक असंतोष में वृद्धि

→ कृषकों व मजदूरों की दयनीय दशा व स्थिति

→ कम वेतन पर अधिक काम

जापान द्वारा युद्ध में पराजित होना

→ अपराजिता का मिथक टूटना

→ खूनी रविवार की घटना से भारी असंतोष

→ जार का भ्रष्ट होना

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

समाजवादी विचारधारा का उदय

↳ बोल्शेविक दल द्वारा किसानों व मजदूरों की सरकार की घोषणा।

↳ जारशाही को हटाकर समाजवाद की स्थापना का प्रमुख लक्ष्य

जार की रूसीकरण की नीति

↳ विभिन्न धर्मों की संकीर्ण विचारधारा की लड़ाई

↳ एक जार, एक चर्च व एक रूस का नारा

↳ जाति व नस्लभेद

↳ गैर रूसी जातियों पर अत्याचार

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

बौद्धिक कारण :

↳ टालस्टाय ने वार एंड पीस में प्राचीन गौरवशाली संस्कृति का बखान किया

↳ तुर्गनेव दोस्तोवस्की ने बौद्धिक चेतना को जागृत किया।

तात्कालिक कारण

↳ प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी का साथ देना

↳ देश की आर्थिक स्थिति का खराब होना

इन समस्त कारणों ने रूसी क्रांति को घटित करवाया जिससे रूस को जार के शासन से मुक्ति मिली।

3 D

गांधी जी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेतृत्वकर्ता थे। इनके सिद्धांत व विचारधारा के कारण स्वतंत्रता प्राप्ति में सहायक हो सकी।

गांधी जी विचार

सत्य व अहिंसा

- सत्य, अहिंसा एवं सत्याग्रह पर आधारित
- सत्याग्रह से आशय → सत्य के प्रति आग्रह
- सत्याग्रह के साधन – हड़ताल, धरना, बहिष्कार

सर्वोदय

- सभी का उदय अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों का भला व कल्याण

INDORE KAUTILYA ACADEMY INDORE

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

अधिकतम लोगों का अधिकतम सुख

ट्रस्टीशिप

निजी संपत्ति में निश्चित सीमा तक ही प्रयोग
अतिरिक्त धन जनता कल्याण हेतु।

साधन व साध्य की पवित्रता

- जैसा साधन होगा वैसा ही साध्य होगा
  उदा० बीज व वृक्ष

वर्ग समन्वय

वर्ग समन्वय से ही स्वतंत्रता प्राप्ति को लक्ष्य माना।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

लघु व कुटीर उद्योगों का समर्थन

· लघु उद्योगो की स्थापना पर बल

· मशीनीकरण का विरोध

विकेंद्रीकरण की अवधारणा

· 80% पंचायती व्यवस्था है जिससे उन्होंने स्थानीय स्तर पर ही अधिकार प्रदान किए जाए

· प्रशासन को नीचे से ऊपर चलाने पर जोर

सभी वर्गो को साथ लेकर चलना

↳ जाति व लिंग समानता पर बल

↳ छुआछूत का विरोध

- मातृभाषा का समर्थन
- ग्रामीण स्वराज पर बल
- जनता की केंद्रीय भूमिका पर अधिक बल

गांधी जी की इन मूल्यों ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महती भूमिका निभाई है।

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE